चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19.7.24	3	4

हरियाणा कृषि विवि में रिफ्रेशर कोर्स शुरू

कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर शोध करें वैज्ञानिक : प्रो. काम्बोज

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स शुरू हुआ। विवि के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित तीन सप्ताह के इस रिफ्रेशर कोर्स में एचएयू व लुवास के प्राध्यापक हिस्सा ले रहे हैं।

एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रिफ्रेशर कोर्स का शुभारंभ करते हुए वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे भविष्य में कृषि क्षेत्र की मुख्य चुनौतियों को प्राथमिकता देकर शोध करने के हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि छोटी जोत वाले किसानों के लिए भी शोध कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन किया जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध कार्यों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन किया जाए, ताकि इसका अधिक से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों को लाभ मिल सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	18.7.24	4	1-5

वैज्ञानिकों ने नरमा की फसल में गुलाबी सुंडी के प्रकोप की दी जानकारी

- गांव उमरा व चूली कलां में वैज्ञानिकों ने किसानों को दिए महत्वपूर्ण सुझाव
- 'विश्वविद्यालय आपके द्वार' तर्ज पर गांव-गांव किए जा रहे कार्यक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते वैज्ञानिक • पीआरओ

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा गुलाबी सुंडी एवं टिंडा गलन की समस्या के निवारण हेतु कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में 'कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम' आयोजित किया गया। गांव उमरा व चूली कलां में आयोजित कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने नरमा की फसल में गुलाबी सुंडी के प्रकोप एवं टिंडा गलन की समस्या के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। किसानों को नरमा फसल की उपरोक्त समस्याओं से निजात दिलाने के लिए 'विश्वविद्यालय आपके द्वार' तर्ज पर गांव-गांव कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

गांव उमरा में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्रीय कपास अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय स्टेशन सिरसा, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। केन्द्रीय कपास अनुसंधान सिरसा के प्रधान वैज्ञानिक डा. एसके वर्मा, विश्वविद्यालय के कपास अनुभाग के अध्यक्ष डा. करमल सिंह मलिक, कीट वैज्ञानिक डा. अनिल जाखड़, पौध रोग वैज्ञानिक डा. अनिल सैनी ने नरमा फसल में होने वाले रोगों/बीमारियों की रोकथाम के बारे में किसानों को जागरूक किया। अनुसंधान निदेशक डा. एसके पाहुजा ने बताया कि कपास अनुभाग समय-समय पर नरमा फसल की एडवाइजरी जारी करता है जिसकी अनुपालना करके किसान नरमा फसल की अच्छी पैदावार ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कपास फसल के लिए कीट संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

कीट संबंधी सलाह : नरमा फसल में गुलाबी सुंडी की निगरानी हेतु दो फेरोमान ट्रेप प्रति एकड़ लगाएं या साप्ताहिक अंतराल पर कम से कम 150-200 फूलों का निरीक्षण करें। टिण्डे बनने की अवस्था में 20 टिण्डे प्रति एकड़ के हिसाब से तोड़कर, उन्हें फाड़कर गुलाबी सुण्डी हेतु निरीक्षण करें। 12-15 गुलाबी सुण्डी प्रौढ़ प्रति ट्रेप तीन रातों में या पांच से दस प्रतिशत फूल या टिण्डा ग्रसित मिलने पर कीटनाशकों को प्रयोग करें। कीटनाशकों में प्रोफेनोफास 50 ईसी की तीन मिली मात्रा प्रति लीटर पानी या क्यूनालफास 25 ईसी की 3 से 4 मिली मात्रा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। सफेद मक्खी एवं हरा तेला का प्रकोप होने पर फलोनिकामिड 50 डब्ल्यूजी 60 ग्राम या एफिडोपायरोप्रेन 50 जी/एल की 400 मिली मात्रा प्रति एकड़ का छिड़काव करें।

बीमारी संबंधी परामर्श

जड़ गलन के प्रबंधन के लिए कार्बन्डाजिम की 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी को पौधों की जड़ों में डालें। टिण्डा गलन के प्रबंधन के लिए कापर आक्सीक्लोराइड की 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	19.7.24	1	1-5

एचएयू में रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स आरंभ

कम लागत में अधिक पैदावार के लिए हों शोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया है कि वे भविष्य में कृषि क्षेत्र की मुख्य चुनौतियों को प्राथमिकता देकर शोध करने के हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि छोटी जोत वाले किसानों के लिए भी शोध कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन किया जा सके।

प्रो. बीआर कम्बोज गुरुवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर आरंभ हुए रिफ्रैशर के शुभारंभ अवसर पर

हिसार। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए तीन सप्ताह के इस रिफ्रैशर कोर्स में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के प्राध्यापक भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध कार्यों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन किया जाए ताकि इसका अधिक से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों को लाभ मिल सके। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आपसी तालमेल के साथ प्रशिक्षण अवधि के दौरान ही कम से कम एक प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए।

शोध पर दिया बल

कुलपति ने नई शिक्षा नीति के विषय बहुआयामी शोध पर भी कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह रिफ्रेशर कोर्स कृषि वैज्ञानिकों को नई कृषि तकनीकों, शोध कार्यों, नवाचारों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र की चुनौतियों एवं समस्याओं का निदान करने में अहम भूमिका निभाएगा।मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स का निर्माण फैकल्टी की रोजमर्रा की जरूरतों के अनुसार किया गया है। निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डॉ. रेणू मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान रखे जाने वाले विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जबकि प्रशिक्षण सह समन्वयक डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. योगेश जिंदल ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	19.7.24	5	1-3

भविष्य में कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर शोध करें वैज्ञानिक : प्रो. बी.आर. काम्बोज

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हिसार, 18 जुलाई (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रिसर्च मैनेजमैंट विषय पर रिफ्रैशर कोर्स आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए तीन सप्ताह के इस रिफ्रैशर कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के प्राध्यापक भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रिफ्रैशर कोर्स का उद्घाटन करते हुए वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे भविष्य में कृषि क्षेत्र की मुख्य चुनौतियों को प्राथमिकता देकर शोध करने के हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि छोटी जोत वाले किसानों के लिए भी शोध कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन किया जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध कार्यों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन किया जाए ताकि इसका अधिक से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों को लाभ मिल सके। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आपसी तालमेल के साथ प्रशिक्षण अवधि के दौरान ही कम से कम एक प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। कुलपति ने नई शिक्षा नीति के विषय बहुआयामी शोध पर भी कार्य करने पर बल दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह रिफ्रेशर कोर्स कृषि वैज्ञानिकों को नई कृषि तकनीकों, शोध कार्यों, नवाचारों के साथ-साथ कृषि क्षेत्र की चुनौतियों एवं समस्याओं का निदान करने में अहम भूमिका निभाएगा। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने अतिथियों व प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने कोर्स के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स का निर्माण फैकल्टी की रोजमर्रा की जरूरतों के अनुसार किया गया है। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डॉ. रेणु मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान रखे जाने वाले विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जबकि प्रशिक्षण सह समन्वयक डॉ. जितेन्द्र भाटिया ने धन्यवाद प्रस्तुत किया। मंच का संचालन डॉ. योगेश जिंदल ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	19.7.24	4	6

कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर शोध करें वैज्ञानिक : प्रो. कांबोज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स आरंभ हुआ। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से आयोजित किए गए तीन सप्ताह के इस रिफ्रेशर कोर्स में एचएयू व लुवास के प्राध्यापक भाग ले रहे हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने उद्घाटन के मौके पर वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे भविष्य में कृषि क्षेत्र की मुख्य चुनौतियों को प्राथमिकता देकर शोध करने के हर संभव प्रयास करें। छोटी जोत वाले किसानों के लिए भी शोध कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन किया जा सके। शोध कार्यों का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन किया जाए।

छोटी जोत वाले किसानों के लिए भी शोध कार्य हो

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कहा कि इस कोर्स का निर्माण फैकल्टी की रोजमर्रा की जरूरतों के अनुसार किया गया है। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डॉ. रेणु मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान रखे जाने वाले विभिन्न विषयों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण सह समन्वयक डॉ. जितेन्द्र भाटिया, मंच संचालन डॉ. योगेश जिंदल ने किया। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	18.07.2024	---	--

भविष्य में कृषि क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों पर शोध करें वैज्ञानिक : प्रो. बीआर काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए तीन सप्ताह के इस रिफ्रैशर कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के प्राध्यापक भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने रिफ्रैशर कोर्स का उद्घाटन करते हुए वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे भविष्य में कृषि क्षेत्र की मुख्य चुनौतियों को प्राथमिकता देकर शोध करने के हर संभव प्रयास करें। छोटी जोत वाले किसानों के लिए भी शोध कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन किया जा सके। वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले शोध कार्यों का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशन किया जाए ताकि इसका अधिक से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों को लाभ मिल सके। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को आपसी तालमेल के साथ प्रशिक्षण अवधि के दौरान ही कम से कम एक प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। कुलपति ने नई शिक्षा नीति के विषय बहुआयामी शोध पर भी कार्य करने पर बल दिया।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने कोर्स के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस कोर्स का निर्माण फैकल्टी की रोजमर्रा की जरूरतों के अनुसार किया गया है। उपरोक्त निदेशालय की संयुक्त निदेशक एवं कोर्स समन्वयक डॉ. रेणु मुंजाल ने प्रशिक्षण अवधि के दौरान रखे जाने वाले विभिन्न विषयों के बारे में जानकारी दी

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	19.7.24	7	6

रिसर्च मैनेजमेंट पर रिफ्रैशर कोर्स आरंभ

हिसार, 18 जुलाई (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'रिसर्च मैनेजमेंट' विषय पर रिफ्रैशर कोर्स आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा आयोजित किए गए तीन सप्ताह के इस रिफ्रैशर कोर्स में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार के प्राध्यापक भाग ले रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कोर्स का उद्घाटन करते हुए वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे भविष्य में कृषि क्षेत्र की मुख्य चुनौतियों को प्राथमिकता देकर शोध करने के हर संभव प्रयास करें। उन्होंने कहा कि छोटी जोत वाले किसानों के लिए भी शोध कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन किया जा सके।